14 संज्ञा तथा संज्ञा के भेद

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- संज्ञा की पहचान।
- वाक्य में संज्ञा के स्थान व महत्व को समझाना।
- संज्ञा के भेदों को समझाना।
- भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- क्या हम संज्ञाएँ खाते हैं? पहनते हैं?
- क्या संज्ञाओं को महसूस भी किया जा सकता है?
- अपनी प्रिय स्वादिष्ट संज्ञा के बारे में बताइए।
- सभी का नाम होना क्यों जरूरी है?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की अवधारणा स्पष्ट करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- पाठ में दिए गए चित्र का अवलोकन करवाएँ।
- चित्र से संबंधित वाक्यों में आए रंगीन शब्दों पर ध्यान दिलवाएँ।
- बताना—
  - जिस शब्द से किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या मन के भावों का बोध होता है, उसे संज्ञा कहते हैं।
  - संज्ञा के तीन भेद हैं—व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक।
  - जातिवाचक संज्ञा के दो उपभेद हैं—समूहवाचक तथा द्रव्यवाचक।
  - भाववाचक संज्ञाओं को महसूस किया जा सकता है, व्यक्तिवाचक व जातिवाचक संज्ञाओं को केवल छुआ जा सकता है।
  - हम स्वयं भी एक संज्ञा हैं। हमारे शरीर के अंग भी संज्ञा हैं। हम संज्ञाएँ खाते हैं, पहनते हैं, ओढ़ते हैं। हमारा घर,
  - विद्यालय आदि सभी स्थान संज्ञाओं से परिपूर्ण हैं।
  - भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्दों से होती है।
- कोई व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द प्रयोग के स्तर पर जातिवाचक संज्ञा का तथा जातिवाचक संज्ञा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रकार्य कर सकता है।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।

14.1 लिंग

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- लिंग का अर्थ और भेद बताना।
- सदा स्त्रीलिंग और सदा पुंलिंग शब्दों की पहचान।
- प्राणिवाचक व अप्राणिवाचक शब्दों के लिंगों की पहचान।
- शब्द-भंडार में वृद्धि।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- हिंदी में लिंग के कितने प्रकार हैं?
- क्या लिंग का क्रिया पर प्रभाव पड़ता है?
- क्या कुछ शब्द केवल पुंलिंग ही होते हैं, उनका प्रयोग सदैव पुंलिंग रूप में ही होता है?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की अवधारणा स्पष्ट करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना—
  - शब्द के जिस रूप से यह पता चले कि वह शब्द पुरुष वर्ग का है या स्त्री वर्ग का, व्याकरण में उस रूप को लिंग कहते हैं।
  - हिंदी में लिंग के दो भेद हैं—(क) पुंलिंग तथा (ख) स्त्रीलिंग।
  - कुछ शब्दों में 'नर' या 'मादा' शब्द लगाकर पुंलिंग या स्त्रीलिंग शब्द बनाए जाते हैं; जैसे— मच्छर (नर मच्छर, मादा मच्छर)।
  - अप्राणिवाचक संज्ञा शब्दों के लिंग की पहचान 'क्रिया' तथा 'विशेषण' शब्दों से की जा सकती है।
- लिंग-परिवर्तन के नियमों की जानकारी और सूची पढ़वाना।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।

14.2 वचन

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- वचन का अर्थ तथा भेद समझाना।
- वचन बदलने का वाक्य पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाना।
- एकवचन से बहुवचन व बहुवचन से एकवचन बनाने की प्रक्रिया को समझाना।

पूर्व-ज्ञान

- हिंदी में वचन कितने प्रकार के हैं?
- वचन में परिवर्तन संभव है या नहीं?
- कुछ शब्द सदैव बहुवचन में होते हैं, उदाहरण सहित बताइए।

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की अवधारणा स्पष्ट करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - संज्ञा/सर्वनाम के जिस रूप से उसके एक या एक से अधिक होने का पता चले उसे **वचन** कहते हैं।
  - हिंदी में वचन के दो भेद हैं–(क) एकवचन तथा (ख) बहुवचन।
  - नाते-रिश्तों के बहुवचन नहीं होते; जैसे– चाचा, फूफा, दादा इत्यादि।
  - हिंदी में आदरसूचक संज्ञा एकवचन होने पर भी क्रिया बहुवचन होती है। इसे **आदरार्थ बहुवचन** कहते हैं।

    उदाहरण– पिता जी आ रहे हैं।

पिता जी	आ रहे हैं।	
एकवचन	बहुवचन	आदरार्थ बहुवचन
संज्ञा	क्रिया	
- वचन-परिवर्तन के नियमों की जानकारी और सूची पढ़वाना।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।

14.3 कारक

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- संज्ञा व सर्वनाम का वाक्य की क्रिया के साथ संबंध कैसे बनता है, कैसे शब्दों का समूह वाक्य का रूप लेता है समझना।
- कारक व कारकीय चिह्नों को समझाना।
- कारकीय चिह्नों को पहचानना और प्रयोग कराना।
- एक वाक्य में एक से अधिक कारकीय चिह्नों को समझाना।

पूर्व-ज्ञान

- कोई वाक्य बताइए जिसमें कर्ता, कर्म, क्रिया तीनों आए हों।
- 'में' और 'मैं' में क्या अंतर है?
- कोई वाक्य बताइए जिसमें–'के लिए' का प्रयोग हुआ हो। 'ने' का प्रयोग हुआ है। .... इत्यादि।

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की अवधारणा स्पष्ट करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - जो शब्द वाक्य में आने वाले संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का वाक्य की क्रिया के साथ संबंध जोड़ते हैं, **कारक** कहलाते हैं।
  - कारक के आठ भेद हैं– कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण, संबोधन।
  - कुछ परसर्ग/कारकीय चिह्न दो भेदों में प्रयुक्त होते हैं। प्रयोग के आधार पर भेद छाँटना होता है; जैसे–

    से < करण / अपादान

    को < कर्म / संप्रदान

  - एक वाक्य में एक से अधिक कारकीय चिह्न प्रयोग हो सकते हैं।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।